वर्णमाला में पहला वर्ण : 'क' से 'ड़' से आरम्भ होने वाले शब्द

क , ख , ग, घ, ड़ ।

1. कपास : एक मौसमी फसल का पौधा, जिसके फूल से रूई मिलती है ।
2. कपसा : चिकनी, गीली मिट्टी ।

3. कपाट : किवाड़, द्वार, दरवाज़ा ।
4. कपाल : मस्तक, माथा, भिक्षापात्र, छप्पर ।

5. कन्द : फल न देने वाले पौधे की जड़, अनाज़ की जड़ । गाजर। लाल मूली । कन्द मूल ।
6. कन्दरा : गुफा , गुहा ।

7. कन्दुक : गेंद ।
8. कन्दली : केले का फल । कदली ।

9. कन : निकट, पास, ओर ।
10. कनी : हीरे का कण, छोटा टुकड़ा,चावल का मध्य भाग । बिन्दु ।
11. कन्त : पति , स्वामी, मालिक ।
12. कन्दर्प : कामदेव ।

13. कत्था : खैर की लकड़ियों को उबाल कर निकाला हुआ सत्व जो पान में लगाया जाता है ।
14. कथा : किस्सा कहानी, वार्ता, प्रसंग, चर्चा , उपन्यास ।

15. कत्थक : एक भारतीय पारम्परिक नृत्य । एक विशेष जाती जो नाच गान से जीवन यापन करती है ।
16. कथक्कड़ : पारम्परिक किस्से कहानीयॉ सुना कर जीवन यापन करने वाला ।
17. कथन : कथा, वाक्य । महान लोगों का कहा वाक्य जो सत्य माना जाता है ।
18. कथना : बोलना , कहना , निन्दा करना, बढ़ा चढ़ा कर कहना ।

19. कत : किस से , किस कारण से , किस लिये ।
20. कतरा : टुकड़ा , अंश, खण ।
21. कतला : किसी वस्तु का पतला टुकड़ा ।
22. कतली : चौकोर कटी हुई मिठाई, जैसे कि बर्फी ।

23. कटौती : आय या खर्च पूँजी में से कम की गई रकम ।
24. कटौनी : फसल काटने का कार्य ।

25. कजरी : बरसात में गाई जाने वाली एक रागनी ।
26. कजली : काला रंग । श्यामता ।

27. कंद : खाने योग्य गूदे वाली जड़, जैसे कि शकरकंदी, अदरक, गाजर, मूली ।
28. कंदन : नाश, विध्वंस करना ।

29. कंगरा : शिखर , मुकुटमणि , प्रासाद या भवन का सब से ऊँचा हिस्सा ।
30. कंगरिया : सबसे छोटी अँगुली ।
31. कलगी : मुकुट पर लगा हुआ पँख ।
32. कलापी : मोर का पंख फैला कर नाचना ।

33. कदा : किसी समय । किसी वक़्त पर ।
34. कदापि : कभी कभी । जब तक ।
35. कदाचित्: कभी । एक बार । कदाचन ।
36. किंवदनती : जन प्रवाद । लोगों में फैली हुई बात ।

37. कष : कसौटी , जॉच, परीक्षा, सार ।
38. कर्ष : सोलह माशे या अस्सी रत्ती का तोल जिस में सोना या जवाहरात मापे जाते हैं ।
39. कर्षक : हल जोतने वाला ।
40. कसक : पहले लगी चोट की हल्की सी पीड़ा, जो आघात पड़ने पर होती है ।
41. करोड़ : सौ लाख की संख्या ।

42. करैत : काली जाती का एक बहुत विषैला सॉप ।
43. करैल : तालाब के सूखने पर निकलने वाली काली मिट्टी ।

44. कराह : पीड़ा का शब्द ।
45. कराल : भयंकर, डरावना , प्रशस्त ।
46. करारा : नदी का ऊॅचा तट जो जल से काटे जाने के बाद बनता है ।
47. किनारा: तट, सीमा, कोर, कवल । पृथक या अलग हो जाने की अवस्था , जैसे कि, मुसीबत में सब किनारा कर लेते हैं ।

48. कव्य : वो अन्न जो श्राद्ध के दिनों में पितरों के लिये दान दिया जाता है ।

49. काव्य : कविता । गान आदि की रचना । कवित्व रचना । पद्यमय वर्णन ।

50. कवल : किनारा ।
51. कवर : ग्रास, कौर , भोजन का छोटा टुकड़ा जो एक समय में चबाया जा सकता है ।
52. कवरी : जूड़ा । बालों की चोटी ।

53. कहा : कथन । जो बोला गया हो ।
54. कहाँ : किस स्थान पर ? प्रश्न वाचक शब्द ।
55. कहानी : मिथ्या वचन । जो कल्पना की बात हो।

56. कारण : वजह , जड़ , हेतु, निमित ।
57. कारक : करनेवाला , हितकारी । व्याकरण में क्रिया के साथ संबंध प्रकट करने वाले शब्द को कारक कहते हैं ।

58. कालिक : समय के अनुसार उचित कार्य । समयोचित ।
59. कालान्तर : समय । दूसरा समय । दूसरा काल ।

60. काष्ठ : लकड़ी , ईंधन, काठ ।
61. काष्ठा : अवधि , सीमा, बड़ाई , स्थिति, उत्कर्ष ।

62. किमरिक : एक प्रकार का महीन, चिकना कपड़ा ।
63. किरमिच : एक प्रकार का मोटा कपड़ा या महीन टाट ।

64. कुंज : प्रकृतिक रूपसे पौधों और लताओं से ढका हुआ स्थान ।
65. कुंड : खेत में हल चलाने के बाद बनने वाली गहरी लकीर जिसमें बीज बोये जाते हैं ।

66. कुंडा : घर के सबसे बाहर के द्वार को, बाहर से बन्द कर ताला लगाने के लिये, जंजीर के आकार वाला, लोहे का मोटा कोहड़ा ।
67. कुदिन : आपत्ति से भरा हुआ दिन । खराब दिन । जिस दिन में केवल मुसीबतें एक के बाद एक आई हों ।
68. कुदान : गल्त या अयोग्य व्यक्ति को दिया हुआ दान ।
69. कुपथ : गल्त कार्यों का मार्ग । कुमार्ग । बुरे आचरण का मार्ग । कुराह ।

70. कूह : हाथी की चिंग्घाड़ ।
71. कुहू : कोयल की बोली जो संगीत के पंचम स्वर में मानी जाती है ।

72. कीर्तन : भजन । ईश्वर को नमन करने के लिये संगीतमय 73. प्रार्थनाएं जो समूह में बैठ कर, सन्धया के समय, एक साथ गाई जाती हैं ।
73. कीर्तित : प्रसिद्ध । कहा हुआ । प्रकाशित । सब की जानी हुई बात या विवरण ।

74. क्षण : समय का बहुत छोटा सा अंश जो एक सैकण्ड से भी कम होता है । तीन बार पलक झपकने जितना समय ।
75. क्षमा : पृथ्वी , धरती ।
76. क्षेम : कुशल मंगल । आनन्द ।
77. क्षेमकर : मंगलकारक । भलाई करने वाला ।

78. क्षेप : निन्दा , बुराई । ठोकर ।
79. क्षपा : रात । रात्रि ।
80. क्षन : जिसके कोई घाव लगा हुआ हो , ऐसा व्यक्ति ।

81. खग : आकाश में चलने वाला । रवि , चन्द्र, अन्य ग्रह । देवता , बाण , वायु , पक्षी ।
82. खगोल : आकाशमण्डल , खगोल विद्या । गणित ज्योतिष ।
83. खगना : चुभना । धॅसना ।

84. खतियाना :प्रतिदिन के आय व्यय का हिसाब अलग अलग खातों में लिखना ।
85. खतियौनी : खाता। वह बही जिसमें धन संख्या खतियाकर लिखी गई हो ।

86. खण्ड : टुकड़ा । टुकड़े किया हुआ । अंश ।
87. खण्डन : किसी सिद्धान्त को अप्रमाणित करने का कार्य । काट छॉट ।
88. खंडंजा : परम्परिक तरह से ए कच्चे ऑगन में या बागीचे के रास्ते पर, खड़ी ईंटों की जोड़ाई जो भूमि पर की जाती है ।

89. खॅगालना : किसी पात्र में केवल जल डाल कर, उसे हिला कर पात्र में घुमाना ताकि पात्र धुल जाये ।
90. खखारना : गले से बलगम साफ करने के लिये जोर से खॉसना और बलगम बाहर थूकना । अपनी उपस्थिति दूसरों को सूचित करने के लिये गले से बिना बोले थोड़ी सी आवाज़ निकालना ।

91. खुला : स्पष्ट , प्रकट, बिना किसी अवरोध के । बन्द की विपरीत स्थिति ।
92. खुलना : कार्य आरम्भ होना । उद्घाटित होना । भेद सब को मालूम हो जाना । उधड़ना । कटना । चिरना । निकलना ।
93. खुल्लमखुल्ला : सब के सामने । प्रकाश्य रूप में ।
94. गजर : प्रत्येक पहर या घंटे पर ध्वनि करने वाली बड़ी घड़ी ।

95. गजरा : स्त्रियों के बालों में सजाने के लिये बनाई गई फूलों की छोटी माला ।
96. गजा : नगाड़ा बजाने वाला डंडा ।

97. गठन : बनावट ।
98. गठना : जुड़ना । सटना ।
99. गठवाना : सिलवाना । जुड़वाना ।
100. गठबन्धन : हिन्दुओं के विवाह संस्कार में दुल्हा दुल्हन के आंचल के सिरों को बॉधना । राजनीति में एक से अधिक पार्टियों का , चुनाव के लिये या सरकार बनाने के लिये साथ हो जाना ।

101. गड़बड़ : अव्यवस्था । उॅूचा नीचा , गोलमाल , उपद्रव , आपत्ति, दंगा ।
102. गड़बड़ाना : भूल या भ्रम में पड़ना । भ्रम में डालना । कार्य या दिनचर्या के क्रम को भ्रष्ट करना ।

103. गण्य : गिनने योग्य , माननीय ।
104. गण्यता : जिसे योग्यता के आधार पर गिना जा सके ।
105. गणन : गिनती । निश्चय । गणना , हिसाब, संख्या ।
106. गणक : ज्योतिषी ।
107. गणित : गणन, गणना , अंकशास्त्र , हिसाब , गिनती , संख्या।
108. गणिका : ऐसी स्त्री जो अपने शरीर का व्यवसाय करती हो ।
109. गति : चलने का माप , गतिमान, गमन, परिमाण, मोक्ष, दशा ।
110. गीत : गाना, संगीतमय पद्य, गान , प्रशंसा ।
111. गाना : ताल और सुर में मधुर ध्वनि निकालना । स्तुति करना । गाने की क्रिया।

112. गदा : एक प्रचीन अस्त्र जिसका उपरी हिस्सा गोलाकार होता है और जिसके गोलाकार को दाहिने कंधे पर रख कर उस के स्थम्भ को हाथ से पकड़ते हैं ।
113. गदोरी : हाथ की हथेली । इस से गदा के स्थम्भ को पकड़ते हैं।

114. गन्धक : पीले रॅग की एक उपधातु ।
115. गन्धी : इत्र और सुगन्धित तेल बेचने वाला ।
116. गन्धराज : मोगरा , बेला, चन्दन, धूना ।
117. गन्धवती : पृथ्वी । वसुन्धरा ।

118. गमक : सुगन्ध । सुगन्धित । गमक रही है फुलवारी ।
119. गमन : प्रस्थान । चले जाना ।
120. गम्य : जानने योग्य । गमनीय ।
121. गम्भीर : गहरा । घना । गूढ़ । जटिल । कठिन । भारी । सौम्य प्रकृति का ।

122. गरज : बहुत गम्भीर ध्वनि । बादलों की गरज । शेर का जंगल में गरजना ।
123. गर : गर्दन , गला । विष ।
124. गरारा : भूरे रॅग का एक प्रकार का घोड़ा ।

125. गला : कंठ । गले के भीतर की नली जहॉ से आहार पेट तक पहुॅचता है, और जहॉ लैरेन्क्स नाम का अंग होता है जिससे आवाज निकाल कर सभी ध्वनियॉ प्रकट होती हैं ।
126. गली : एक संकरा या चौड़ाई में कम, मार्ग जो दोनों ओर बने मकानों या दुकानों की पंकतियों के बीच होता है ।

127. गहन : वन , जंगल । दुर्गम , गहरा । घना । अथाह । ग्रहण । कलंक । कष्ट , विपत्ति ।
128. गहना : आभूषण । बंधक । पकड़ना । धरना ।
129. गहरा : अधिक नीचा । भारी । दृढ़ । गाढ़ा । कठिन । गाढ़ा । विकट । दृढ़ रूप ।
130. गहराई : गहरापन । गहराव । गहोर । गहराना । गहरा होना ।

131. गाड़ना : गड्ढ़ खोद कर किसी वस्तु को उसमें छिपाने के लिये उसे मिट्टी में ढ़ापना, या मिट्टी से ढकना । मिट्टी में छिपाने के लिये दबाना ।
132. गॉठना : मिलाना । जोड़ना । वश में करना । गॉथना , गूथना। ऐसी गॉठ बॉधना जो खुल न सके ।
133. सॉठ गॉठ करना : किसी दूसरे का नुकसान करने के लिये, एक से अधिक व्यक्तियों से मिल कर, कुटिल योजना बनाना ।

134. गाभा : हल्के हरे रॅग का नया निकला हुआ पत्ता ।
135. गाथा : स्तुति । गीत । प्राकृत भाषा ।

136. गाल : कपोल ।
137. गाला : धुनी हुई रूई का गोला ।
138. गाली : कलंक सूचक वाक्य । दुर्वचन । निन्दा ।

139. गिरा : वाणी । वचन । जिव्हा ।
140. गिरि : पर्वत । पहाड़ । एक छोटी पहाड़ी को गिरेवा कहते हैं ।
141. गिरी : किसी बीज के अन्दर की गूदा या खाद्य पदार्थ । बादाम की गिरी या अन्य मेवा, नारियल की गिरी यानि सूखा नारियल ।

142. गुटका : छोटे आकार की पुस्तक ।
143. गुटिका : वाटिका , अफीम की गोली ।

144. गुण : धर्म, प्रकृति के सत्व । प्रवीणता । सद्वृत्ति , शील , बड़ाई , विशेषण , कला । धनुष की प्रत्यंचा । रस्सी ।
145. गुणा : गणित की एक क्रिया ।
146. गुणांक : वह अंक जिससे किसी अंक में गुणा किया जाए । गुण्य।
147. गुणनफल : वह संख्या जो दो अंकों के गुणा करने से प्राप्त हो ।

148. गुणकर : लाभदायक । गुणकारी । गुणकारक ।
149. गुणकार : रसोई बनाने वाला ।
150. गुणन : मन्त्रणा, अभ्यास , सोचना।
151. गुणवाचक : गुण को प्रकट करने वाला विशेष शब्द ।
152. गुणवान् : गुणी । निपुण ।
153. गुणानुवाद : प्रशंसा , बड़ाई ।
154. गुण्ठित : छिपा हुआ ।
155. गुनियाला : गुणी व्यक्ति ।
156. गून : नाव खींचने की रस्सी ।
157. गूना : एक प्रकार का पकवान ।

158. गुत्थी : उलझन । गिरह ।
159. गुत्थम, गुत्था : उलझाव , फॅसाव ।

160. गुफा : कन्दरा । गुहा ।
161. गुम्फः गॉठ, ग्रन्थि ।

162. गर : मूलमन्त्र । युक्ति । भेद ।
163. गुहार : रक्षा के लिये पुकार ।

164. गेंदा : एक प्रकार का पीला फूल व उसका पौधा ।
165. गेदा : चिड़िया का बच्चा जिसके पंख न निकले हों ।
166. गेंडा : एक बड़ा और भारी वजन का, स्लेटी रंग का पशु , जिसकी नाक पर एक सींघ होता है और त्वचा मोटी होती है।

167. गोल : गोलाकार पिण्ड । सब ओर वर्तुल पदार्थ ।
168. गोला : किसी पदार्थ का वर्तुलाकार पिण्ड । नारियल की गिरी । अन्न रखने का गोदाम । घास का गट्ठर । किराने की मण्डी । सूत आदि की लपेटी हुई पिण्डी ।
169. गोली : वटिया, बटिया । लड़कों के खेलने का कॉच का छोटा गोलाकार पिण्ड । बन्दूक या पिस्तौल में भर कर छोड़ने का सीसे का ढला हुआ छोटा, नोकदार पिण्ड जो शरीर में धंस कर प्राण ले सकता है ।

170. गौर : उज्जवल, स्वच्छ , निर्मल ।
171. गौरव : सम्मान , आदर ।
172. गौरांवित : पूज्य , आदरणीय, सम्मानित ।

173. घटा : उमड़ते हुए बादलों का समूह । बरसात लाने वाले स्लेटी रंग के मेघ ।
174. घाट : नदी का किनारा जहॉ लोग नाव पर चढ़ते या उतरते है
175. घाटा : व्यापार में हानि या नुकसान ।
176. घाटी : पर्वतों के बीच का नीचा स्थान ।

177. घटाना : कम करना । न्यून करना । किसी संख्या से शून्य की ओर जाना ।
178. घटाव : न्यूनता । कमी ।
179. घटिया : कम मूल्य का । सस्ता ।
180. घटित : रचित । निर्मित ।
181. घटी : चौबिस मिनट का समय जो ज्योतिषशास्त्र में मुर्हूत निकालने में उपयोग किया जाता है ।

182. घपला : नियम के विरूध कार्य । गोलमाल । गड़बड़ ।
183. घचौड़ी : भरे हुये घड़े को रखने के लिये विशेष तिपाही ।

184. घन : मेघ , समूह , विस्तार । लम्बाई, चौड़ाई व उॅचाई या मोटाई का विस्तार । तीन अंकों का गुनन फल । बड़ा हथौड़ा जिस से लुहर गर्म लोहा पीट कर चिमटा, तवा व अन्य वस्तुऍ बनाता है ।
185. घना : बहुत अधिक । पास पास स्थित । सघन । घनिष्ठ ।
186. घने : अनेक । बहुत से । छोटे क्षेत्र में पास पास स्थित ।
187. घनेरा :अत्यन्त । इतने अधिक जो गिने न जा सकें। अगणित । अतिशय ।
188. घनिष्ठ : बहुत ही पास । गाढ़ा । जैसे : उन दोनों की घनिष्ठ मित्रता से अन्य लोगों को ईष्या होती थी ।

189. घम : कोमल वस्तु पर कड़ा आघात होने की ध्वनि ।
190. घमासान : भयंकर युद्ध । प्रचण्ड मारामारी । गहरी लड़ाई ।
191. घमरौला : उधम । उपद्रव । उत्पात ।

192. घर : स्वदेश , जन्मभूमि , वंश ।
193. घरद्वार : ठौर ठिकाना । गृहस्थी ।

194. घरेलू : घर में रहना पसंद करने का स्वभाव । निजि । घर का।
195. घरबारी : परिवार के सदस्य । कुटुम्बी ।
196. घराती : विवाह में कन्या पक्ष के लोग ।
197. बराती : विवाह में वर पक्ष के लोग ।
198. घराना : वंश , कुल ।

199. घास : भूमि पर उगने वाला छोटा तृण । गाय, घोड़े जैसे पशुओं का चारा ।
200. घाव : शरीर का वह स्थान जहॉ पर ऐसी चोट लगी हो कि त्वचा कट या छिल गई हो और मॉस या हड्डी दिखाई पड़ती हो।

201. घेर : चारों ओर का फैलाव ।
202. घेरा : फैलाव के चारों ओर की सीमा ।

203. घूरना : लगातार किसी एक वस्तु या व्यक्ति टकटकी लगा कर देखते रहना ।
204. घूमना : पैदल चक्कर लगाना । इधर उधर फिरना । एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते रहना ।
205. घोटना : किसी व्यंजन को देर तक हल्की ऑच पर पकाना, जैसे कि सरसों या पालग के साग को घोटना । लगातार अभ्यास करना ताकि पाठ या पद्यति रट जाये या कण्ठस्त हो जाए । दोनों हाथों से पकड़ कर किसी का गला दबाना ताकि वह सॉस न ले सके और उसके प्राण ही निकल जाएँ । किसी धातु की वस्तु को चमकाने के लिये रगड़ना । सिल बट्टे पर मसाला या चटनी पीसना ।

206. घोटनी : आयुर्वेद की दवा या इलायची जैसी छोटी चीजें घोटने के लिये, पत्थर या धातु से बना छोटा सा पात्र, जिसके साथ एक छोटा सा मूसल होता है ।

207. घोटाला : गड़बड़ । विशेषकर सरकारी स्तर पर सरकारी धन के मामले में गबन का मामला । पैसों की हेरा फेरी ।

208. घोषणा : मुनादी । ऊँचे स्वर में कोई सूचना देना ताकि सब सुन सकें ।

अगला वर्ण भाग 3 में ।